NT>

Title: Need to develop indigenous vaccine to check the menace of Hepatitis-B disease in the country.

श्री सुरेश चन्देल (हमीरपुर, हि.प्र.) : महोदय, मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूं कि हमारे देश में हैपेटाइटिस-बी बीमारी के प्रकरण दिनोंदिन बढ़ते जा रहे हैं जो सारे देश के लिए चिन्ता का विाय है। इसका मुख्य कारण पानी एवं खानपान का प्रदूाित होना है।

देश में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के एक अध्ययन के अनुसार 5000 व्यक्ति प्रतिर्वा इस बीमारी के कारण काल के गाल में समा जाते हैं। इसे रोकने हेतु सरकार पर अप्रत्यक्ष रूप से बहुराट्रीय कम्पनियां उनके द्वारा तैयार महंगी वैक्सीन अपने देश में प्रयोग करने हेतु दबाव डाल रही हैं। यह इस देश के पर्यावरण एवं जल वायु के अनुकूल नहीं है। प्रारंभ में तो विदेशों से मुफ्त में यह वैक्सीन प्राप्त होगी, लेकिन जब देश उसके ऊपर निर्भर हो जाएगा तो वे अत्यंत महंगी एवं मनमानी कीमत पर उसे हमारे देश को बेचेंगे और विवश होकर हमें वह खरीदनी पड़ेगी।

14.19 hrs. (MR. DEPUTY SPEAKER IN THE CHAIR)

मेरा आग्रह है कि बहुराट्रीय कंपनियों के इस अप्रत्यक्ष दबाव में न आकर हमें अपने देश में ही इस हेतु चल रहे अनुसंधान को बढ़ावा देकर अपनी जलवायु और वाता वरण के अनुकूल सस्ती हैपेटाइटिस-बी वैक्सीन तैयार करने हेतु सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को प्रोत्साहित करना चाहिए।